PARKING POLICY UNPARALLELED

To the Editor:

There are many experiences that MIT Parking Office staff will never forget. One very simple but aggravating one is the search for a parking place in the morning if you happen to commute with your car. A helping hand is offered by the MIT Parking Office, from which one may obtain a one-year parking permit for the commuter lot (priced at $7). Unfortunately, the commuter lot at Pacific Street is quite far from some buildings on the campus, for example, like my office on Main and Vannar Stares (approximately ¾ of a mile).

However, during the summer the Parking Office gives away free some temporary stickers for the Albany Street garage (approximately 300 yards from my office). And here is the funny part, those permit are given only to people who do not have a sticker, even if a sticker-holder is willing to waive his rights for the current sticker. In other words, a helping hand is offered by the Parking Office to people who do not have a sticker, but no help is given to those who have already have a parking permit.

I was at the Parking Office in the summer, and I asked for a permit. The young clerk said, "De vot Vere, how can I help you?" After some superfluous words, she said, "Why don't you get a permit and stop cheating?"

It is quite far from some buildings on the campus, for example, like my office on Main and Vannar Stares (approximately ¾ of a mile).

Naturally, I was tempted to come up with a very brilliant answer from this parking lot! (Again, allow me to bring to your attention that this summer sticker is free.)

Normally, I would think that this was unfair! Again the same ingenious answer, "It's a matter of policy." Well, did he turn that into a profound answer, or what? I am looking forward to get an answer from them — except if "it's a matter of policy" is to answer students who already have permits.

Efstathios G. Votsoris

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---